कृषि ज्ञान प्रसार प्रणाली
(Agricultural Knowledge Dissemination System- ANDS)
एवं
सामुदायिक रेडियो स्टेशन **सबोर**
का

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार द्वारा उदघाटन
1 जून 2012

कृषि ज्ञान प्रसार प्रणाली परियोजना मूलतः बिहार राज्य में खाद्य उत्पादन, सब्जी / फल प्राप्ति और पशुओं के विकास के लिए किसानों को शिक्षित करने और समय समय पर उचित जानकारी देने के लिए एक प्रणाली को विकसित करने की है. इस परियोजना के अंतर्गत, एक इलेक्ट्रोनिक मीडिया निर्माण केंद्र की स्थापना बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में की गयी है. जिसे पांच कृषि विकास केन्द्रों - हरनौत, सहरसा, कटिहार, बांका, औरंगाबाद - से उच्च गति के डिजिटल लाइन से जोड़ दिया है. विश्वविद्यालयों में विकसित कृषि से सम्बंधित ज्ञान को नोलेज सेंटर में ऑडियो, विडियो एवं मलटी मिडिया के स्वरूप में भंडारण किया जा रहा है और इसे सुविधा केन्द्रों के द्वारा किसानों को उपलब्ध कराया जायेगा. इस योजना के मुख्य अंग ये हैं.

- इलेक्ट्रोनिक मीडिया निर्माण केंद्र की स्थापना
- पांच कृषि विज्ञानं केन्द्रों में टेलिकांफेरेंसिंग की सुविधा का विकास
- विश्वविद्यालयों में विकसित कृषि से सम्बंधित ज्ञान को नोलेज सेंटर में भंडारण
- किसानों को वेब, मोबाइल एवं वसुधा e-सेवा केन्द्रों द्वारा कृषि, पशुपालन एवं मौसम सम्बन्धी जानकारी देना.
- किसानों को वेब, मोबाइल एवं वसुधा e-सेवा केन्द्रों द्वारा कृषि, पशुपालन एवं मौसम सम्बन्धी जानकारी देना.

सामुदायिक रेडियो

स्थापित टावर

रेडियो जनसंचार का एक ऐसा साधन है जिसका उपयोग आम जनता के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाता है. सामुदायिक रेडियो, भारत सरकार की एक परियोजना है जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालयों, कृषि विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, कृषि विज्ञान केन्द्र और गैर सरकारी संगठनों को अपने स्वयं के रेडियो स्टेशन स्थापित करने के लिए अनुमति प्रदान किया जाता है. इन स्टेशनों द्वारा कार्यक्रम प्रसारण समुदाय के

सामुदायिक रेडियो

जीवन की स्थिति में सुधार और उनके कल्याण के लिए किया जाता हैं. अतः यह जरूरी है कि उनके द्वारा प्रसारित कार्यक्रम आम जनता को शिक्षित करने, लोक जीवन को समृद्ध करने, समाज के कुरीतिओं को दूर करने और गरीबी उन्मूलन में सक्षम हो. सामुदायिक रेडियो स्टेशन में एक या दो स्टूडियो की स्थापना की जाती है, जहाँ कार्यक्रमों को बनाया जाता है. बहुत से कार्यक्रम बाहर जा कर खेतों, खलिहानों स्वास्थ्य केन्द्रों, स्कूलों तथा ग्रामीण छेत्रों में रिकॉर्ड किये जातें हैं. कार्यक्रमों को एक प्रेषित द्वारा उच्च टावर से प्रसारित करतें हैं. प्रसारण का छेत्र 8 से 10 की. मी. होता है

इन बातों को ध्यान में रखते हुए, बिहार सरकार और डॉ. मेवा लाल चौधरी, वाइस चांसलर, राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा और बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर के कुशल नेतृत्व में, 2010 में दो समुदाय रेडियो स्टेशन स्थापित करने की परियोजना पर कार्य प्रारंभ किया गया· इस काम को वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली, जो इस क्षेत्र में एक विशेषज्ञ है, द्वारा किया गया·

परियोजना के अंतर्गत, दो सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को कृषि विज्ञान केन्द्र बिरौली , समस्तीपुर और कृषि विज्ञान केन्द्र बाढ़, पटना में स्थापित किया गया.· इन स्टेशनों श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री बिहार सरकार, द्वारा 17.05.2011 को उदघाटन किया गया. इसी परियोजना के अंतर्गत आज सामुदायिक रेडियो स्टेशन, बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबोर को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा उदघाटन का अद्वितीय गौरव प्राप्त हो रहा है.

इन स्टेशनों से कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार, मनोरंजन और स्थानीय संस्कृति कार्यक्रमों का प्रसारण होगा· इसके अलावा इन स्टेशनों से आपातकालीन स्थिति में जैसे बाढ़, चक्रवात, बारिश, महामारियों, तूफान आदि में परिस्थिति के अनुसार कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहा है·

भारत सरकार ने कृषि विज्ञान केन्द्र बेगुसराय और वैशाली में रेडियो स्टेशन स्थापित करने के लिए अनुमति प्रदान कर दिया है. नूरपुर, ढोली, सबौर आदि अन्य स्थानों में रेडियो स्टेशन की स्थापना के लिए प्रक्रिया पहले से ही शुरू कर दी गयी है. भारत सरकार के अनुमति के पश्चात् इन का कार्य शुरू कर दिया जायेगा.

·परियोजना की परिकल्पना

यह परियोजना डॉ मेवा लाल चौधरी कुलपति कृषि विश्वविद्यालय सबोर के अथक प्रयत्नों का परिणाम है· उनकी कल्पना बिहार राज्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि और किसानों की समृद्धि है· इस के लिए वह बड़े पैमाने पर आईसीटी सहित मास मीडिया का उपयोग करने की योजना पर कार्यरत हैं. बिहार के सभी कृषि विकास केन्द्रों को उच्च गति के डिजिटल लाइन से जोड़ना और रडियो, टी वी, वेब, मोबाइल, कॉन्फ्रेंसिंग आदि के उपयोग से किसानों को **समृध्द बनाना** है·

इलेक्ट्रोनिक मीडिया निर्माण केंद्र

वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन

वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन एक गैर सरकारी, ज्ञान आधारित संगठन है जो दुनिया भर में गरीबों की आजीविका और उनके जीवन को समृद्ध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है. फाउंडेशन का प्रयास, रेडियो, टीवी, उपग्रह, इंटरनेट और नई मीडिया के

उपयोग से शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करके गरीबों को सशक्त करने का है. संगठन रोजगार सृजन के लिए ग्रामीणों के लिए व्यावसायिक और स्वयं सहायता प्रशिक्षण प्रदान करता है. यह खेती और विकास के विषयों पर, स्थानीय ग्रामीणों की मदद से, रेडियो और टीवी कार्यक्रमों के लिए सामग्री बनाता है. यह सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर शोध और सेमिनार भी आयोजित करता है. इन सभी प्रयासों का एक ही लक्ष्य हैं, - गरीबों के जीवन संवर्धन और सामाजिक विकास का. फाउंडेशन, मीडिया लैब एशिया, भारत सरकार के साथ भागीदारी में एक राष्ट्रीय परियोजना जो देश के विभिन्न हिस्से में आजीविका आदि के लिए, सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का था लागू किया.

वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है. स्व रोजगार के लिए शिक्षा, सामुदायिक रेडियो, वायरलेस अवसंरचना, विकास, खाद्य उत्पादन वृद्धि, स्वास्थ्य और स्वच्छता, टेलीमेडिसिन और शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी, वाईफाई प्रणाली, मोबाइल आदि के उपयोग, किसानों के लिए परामर्श प्रोग्राम, प्रसारण और संचार प्रौद्योगिकी का विकास, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के अनुसंधान आदि इन में शामिल है.

अनुसन्धान शाला नई दिल्ली

वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन बहुत से अन्य सन्सथानो में भी सामुदायिक रेडियो स्टेशन लगा रहें हैं या लगा चुके हैं. कुछ संस्थान के नाम हैं: नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय फैजाबाद, चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार, तमिल नाडू कृषि विश्वविद्यालय कोइम्बटोर, इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची, अलाहाबाद कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विकास केंद्र गाजीपुर, सहारनपुर एवं वाशिम, सियासत हैदराबाद, सिटी मोंटेसरी लखनऊ, आदि.

इस संगठन के अध्यक्ष डा. हरि ओम श्रीवास्तव, ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के पूर्व मुख्य इंजीनियर, विजिटिंग प्रोफेसर और विश्व प्रसिद्ध शिक्षाविद् है. उन्होंने सामुदायिक रेडियो के लिए नीतिगत दिशानिर्देश, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के ज्ञानवाणी और ज्ञान दर्शन चैनल, कृषि मंत्रालय के किसान चैनल, भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र - बेसिल , ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के आईटी विभाग आदि को स्थापित किया.

आभार

इस परियोजना पर बिहार कृषि विश्वविद्यालय के बहुत से वैज्ञानिक और अन्य पदाधिकारियो, कर्मियों एवं सलाहकारों ने बहुत परिश्रम से कार्य किया. इसके अतिरिक्त बिहार सरकार के अधिकारी जिनमे डॉ. आर. के. सोहाने, निदेशक, बमिति एवं श्री अशोक कुमार सिन्हा एग्रीकल्चर प्रोडकसन कमिश्नर मुख्य हैं ने अत्यंत रूचि से इस योजना पर कार्य किया. वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन उन सबका आभारी है. आशा की जाती है की यह योजना किसानो के लिए एक नए अध्याय का प्रारंभ करेगी.

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें :

वर्ल्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली
प्लॉट-5 , सेक्टर-3 करुणा कुंज, द्वारका, नई दिल्ली 110018
फोन : 011-25082764
wdfindia@yahoo.co.in
http://wdfindia.org

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर
www.kisangyan.com
www.bausabour.ac.in
www.wdfindia.org
www.facebook/kisangyan.com